भारतीय राजनीति में क्षेत्रीयकरण, विखण्डीकरण

विखण्डन और क्षेत्रीयकरण :- भारतीय राजनीति की दल व्यवस्था की एक प्रमुख प्रवृत्ति के रूप में उभर रहे है। कांग्रेस व्यवस्था के टूटने के पश्चात भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों का महत्व बढ़ा है।

क्षेत्रीय मुद्दों के महत्व के कारण तथा सर्वमान्य नेतृत्व के अभाव में राजनीतिक दलों में विखण्डन की प्रक्रिया देखी जाती है ~~इसके कारण~~

कारण :- भारत में विभिन्नता पायी जाती है क्षेत्रों का समान विकास नहीं हो सका है क्षेत्रों से जुड़ी क्षेत्रीय संस्कृति भी महत्वपूर्ण कारक है कुल मिलाकर कहा जा सकता है क्षेत्रीयकरण की राजनीति के बढ़ते प्रभाव का बाधित हो राष्ट्रीय दल अपना अस्तित्व बनाये रखने में असफल है। कुल मिलाकर अतीत मूल भारत के क्षेत्रीय राजनीति की संघात्मक व्याख्या करती है। स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात केवल दो क्षेत्र को छोड़कर सम्पूर्ण कांग्रेस का प्रभुत्व था। दो प्रमुख दल थे अकाली दल और द्रविड़ कड़गम 1980 के पश्चात इसमें ~~तेजी~~ तेजी से वृद्धि हुई जिसके निम्न कारण है

(1) नेताओं की राजनीतिक कारण क्षेत्रीय दलों में

क्षेत्रीय मुद्दों को राजनीतिक आधार प्रदान करने के लिए अधिक उपयोग में लाना आरम्भ किया।

कांग्रेस ने अपने विरोधियों को दबाने केन्द्रित क्षेत्रीय राजनीति को उभारा।

भाषा के आधार पर राज्यों के गठन ने भारत के संदर्भ में संगठित क्षेत्रीय राजनीति के महत्व को स्वीकारा।

कांग्रेस व्यवस्था का ह्रास होना भारत में राष्ट्रीय भावना स्वाधीनता आन्दोलन से जुड़ी हुई थी अन्यथा लोगों में क्षेत्रीय भावनाएं अधिक थीं धीरे-2 राष्ट्रीय आन्दोलन का प्रभाव कम होता चला गया।

श्रीमती इंदिरा गांधी के शासन काल में केन्द्रीकरण की नीति अपनायी गई जिससे केन्द्र राज्य सम्बन्धों में गिरावट आयी।

इंदिरा गांधी ने जनता तक सीधी पहुंच बनाने का प्रयास किया और क्षेत्रीय नेताओं की अनदेखा किया। कांग्रेस ने राजनीतिक लाभ के लिए कुछ क्षेत्रीय मांगों को अनदेखा किया जैसे आसाम में मुस्लिम वोट बैंक प्राप्त करने के लिए बांग्लादेश की घुसपैठ को अनदेखा किया।

इंदिरा गांधी के समय कांग्रेस अन्तःदलीय लोकतांत्रिक उपर समाप्त हो गया प्रदेश कांग्रेस कमेटी का

प्रभाव क्षीण - 2 समाप्त होने लगा।

भारत में क्षेत्रीयकरण की प्रवृत्ति का एक प्रमुख कारण कांग्रेस के प्रति असंतुष्टि थी तथा अन्य राष्ट्रीय दलों के पास वैसा व्यापक आधार नहीं था जो कांग्रेस के पास था। अन्य राष्ट्रीय दलों को क्षेत्रीय दृष्टि से देखा जाता था जैसे जन संघ को दक्षिण में हिन्दी भाषा भाषियों के रूप में देखा जाता है C.P.I.M. को बंगाली पार्टी के रूप में देखा जाता था अत: क्षेत्रीय दलों ने अपने अलग अस्तित्व के विकास को बेहतर समझा।

क्षेत्रीयकरण के पीछे अन्य सामाजिक आर्थिक कारणों को देखे जा सकते हैं पॉल ब्रास के असमानतापूर्ण विकास के कारण फलस्वरूप [illegible] किसान आन्दोलन हुआ जो बाद में राजनीतिक दल में परिवर्तित हो गये।

रॉबर्ट हार्डग्रेव के अनुसार हरित क्रान्ति के परिणामस्वरूप मध्यवर्ती जातीय का उदय हुआ बैलगाड़ी पूंजीपति कहा है। यह लोग राजनीति में भागीदारी चाहता है।

भाषायी सांस्कृतिक कारण - दक्षिण में ब्राह्मणवाद आर्य सभ्यता के खिलाफ, उत्तर पूर्वी राज्यों में ऐसा माना जाता है कि उनको मुख्य धारा से अलग रखा गया है। जिससे क्षेत्रीय दल इतने महत्वपूर्ण हो गये, कि केन्द्रीय सरकार अभिन्न अंग बन गये।

सरकार के निर्णय और स्थिरता को प्रभावित करने लगे। यूनाइटेड सरकार जनता दल के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रीय दलों का गठबंधन था। तमिल मनीला काँग्रेस T.M.C. बाहर से काँग्रेस का समर्थन United front Government का विघटन एक महत्वपूर्ण घटना थी जिसमें जनता दल का काफी बड़े स्तर पर विघटन हुआ जनता दल कई छोटे-2 दलों में विभाजित हो गया। R.J.D. लोक शक्ति, बीजू जनता दल, समता पार्टी, क्षेत्रीयकरण और विखण्डीकरण को ~~सम~~ गठबंधन की राजनीति ने प्रभावित किया है काँग्रेस का विघटन हुआ। काँग्रेस का विखण्डन ~~म~~ T.M.C. N.C.P. में।

भारत में विखण्डनीकरण और क्षेत्रीकरण की निम्न प्रवृत्तियाँ

(I) गैर ब्राह्मणवाद और उत्तर भारत D.M.K. और अन्ना D.M.K.

(II) भूमि पुत्र सिद्धान्त — आरक्षण मुक्ति मोर्चा और शिव सेना

(III) केन्द्रीकरण के विरुद्ध तेलुगुदेशम पार्टी

(IV) राष्ट्रीय दलों को क्षेत्रीय ~~दलों~~ हितों का अनुप्रेरण करना

• अन्य संस्थापक पार्टियाँ अकाली दल, मुस्लिम लीग, राष्ट्रीय दलों के विघटन के रूप में D.M.C. R.J.D.

विघटन और क्षेत्रीकरण के प्रवृत्ति :-

कांग्रेस का राष्ट्रव्यापी चरित्र समाप्त हो चुका है भारतीय जनता पार्टी का प्रभाव क्षेत्र बहुत सीमित है अतः कोई राष्ट्रीय दल का विकल्प नहीं बन सकता क्षेत्रीय दलों का प्रभाव क्षेत्र विशेष तक सीमित है यह देश के संघात्मक बढ़ते स्वरूप की ओर इंगित करता है,

Scanned with CamScanner